भाषा माधुरी

2

Scanned with CamScanner

अनुक्रम

पाठ-क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	सीखो	1
2.	ठीक काम करें	3
3.	दादी का गाँव	6
4.	मेहनत का फल	8
5.	जन्मदिन	11
6.	दाँत का दर्द	14
7.	बाल दिवस	17
8.	प्यारे पेड़	20
9.	बादल	23
10.	दो तोते	25
11.	चतुर चीकू	28
12.	सीख	32
13.	मेला	34
14.	रोटी	36
15.	राजू का सपना	38
16.	अभ्यास	41
17.	रेल	44
18.	रोबोट	46
19.	टेलीफ़ोन की घंटी	49
20.	यह दिल्ली है	52

Scanned with CamScanner

1 सीखो

सूरज की किरणों से सीखो,
तुम सदा समय पर उठना।
चींटी से अब तुम सीखो,
मेहनत से आगे बढ़ना।।

इधर-उधर मत फेंको कूड़ा,
कूड़ेदान में ही डालो कूड़ा।
सदा समय पर पाठ पढ़ो,
दीन-दुखी की मदद करो।।

कभी किसी से न करो लड़ाई,
मिल-जुलकर रहने में ही भलाई।
अपने बड़ों को शीश झुकाओ,
कोयल जैसे मीठे बोल सुनाओ।।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. **नीचे दिए गए वाक्यों में जो ठीक हैं, उन पर (✓) चिह्न लगाइए—**

   क. सूरज की किरणें सदा समय पर आती हैं। ☐

   ख. कूड़ा इधर-उधर फेंकना चाहिए। ☐

   ग. किसी से लड़ाई नहीं करनी चाहिए। ☐

   घ. कोयल जैसे बोल बोलने चाहिए। ☐

   ङ. अपने बड़ों को सदा शीश झुकाना चाहिए। ☐

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए—**

   क. हमें सूरज की किरणों से क्या सीखना चाहिए?

   ख. चींटी हमें क्या सिखाती है?

   ग. कूड़ा कहाँ डालना चाहिए?

   घ. हमारी भलाई किस में है?

3. **कविता को याद करके कक्षा में लय के साथ सुनाइए।**

4. **अपनी कक्षा के लिए कूड़ेदान का डिब्बा बनाइए। इसे बनाने के लिए कोई पुराना गत्ते का डिब्बा या जूते का डिब्बा ले लीजिए। इसके चारों तरफ़ पुरानी अखबार या पुराना काग़ज़ चिपका दीजिए। सूख जाने पर इस्तेमाल में लाइए।**

Scanned with CamScanner

2

ठीक काम करें

सुंदर	तोड़ना	अंगुली	निकाल
छिलका	फिसल	पछतावा	कहलाता

रमेश : अहा, कितने सुंदर फूल हैं!

गीता : अरे, यहाँ तो माली भी नहीं है!

राजू : आओ, फूल तोड़ते हैं।

मोहन : नहीं, उधर नहीं जाओ!

रमेश : देखो, वहाँ पर लिखा है, 'फूल तोड़ना मना है।'

राजू : कोई देख तो नहीं रहा है।

गीता : अरे देखो, राजू की अंगुली में काँटा चुभ गया है!

मोहन : उसकी अंगुली से तो खून बह रहा है!

गीता : मैं काँटा निकालकर दवाई लगाती हूँ।

Scanned with CamScanner

रमेश	:	देख लिया, ठीक काम न करने का नतीजा!
राजू	:	मैं अब कभी गलत काम नहीं करूँगा।
मोहन	:	गीता, तुमने केला खाकर छिलका सड़क पर फेंक दिया।
गीता	:	कुछ नहीं होता!
मोहन	:	अगर उस पर किसी का पाँव पड़ गया तो वह फिसल जाएगा।
राजू	:	वह देखो, बूढ़े बाबा फिसल गए।
रमेश	:	(भागकर उठाते हुए) बाबा, चोट तो नहीं लगी?

बूढ़ा बाबा	:	बस, बच ही गया बेटा!
रमेश	:	बाबा, गीता को अपने किए पर बहुत पछतावा है।
गीता	:	मुझे माफ़ कर दो बाबा! मैं अब कभी सड़क पर केले का छिलका नहीं फेंकूँगी।
बूढ़ा बाबा	:	कोई बात नहीं बेटी, 'सुबह का भूला अगर शाम को घर लौट आए तो भूला नहीं कहलाता।'
मोहन	:	बाबा, हम समझे नहीं!
बूढ़ा बाबा	:	सुनो बेटा, अगर गलती करने वाला यह समझ ले कि उसने गलती की है तो वह गलती नहीं रह जाती।

सब (एक साथ): अब समझ में आया बाबा!

अभ्यास

1. **नीचे दिए गए वाक्यों पर सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए—**

क. फूल तोड़ने चाहिए। ☐

ख. खून बहने पर दवाई लगानी चाहिए। ☐

ग. गीता अपने गलत काम करने पर पछताई। ☐

घ. गलत काम का गलत नतीजा होता है। ☐

2. **किसने कहा ? लिखिए—**

क. आओ, फूल तोड़ते हैं। ....

ख. उसकी अंगुली से तो खून बह रहा है। ....

ग. देख लिया, ठीक काम न करने का नतीजा! ....

घ. बस, बच ही गया बेटा! ....

ङ. बाबा, हम समझे नहीं! ....

3. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए—**

क. सड़क पर छिलका किसने फेंका था ?

ख. राजू की अंगुली में क्या चुभ गया था ?

ग. बगीचे में क्या तोड़ना मना था ?

घ. बूढ़ा बाबा किस फल के छिलके से फिसला ?

ङ. इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

4. **पाठ के आधार पर वाक्य पूरे कीजिए—**

नहीं	देख	बेटा।
कुछ	बूढ़े बाबा	समझे नहीं!
कोई	नहीं	नहीं जाओ!
वह देखो,	हम	होता!
बस,	उधर	फिसल गए।
बाबा,	बच ही गया	तो नहीं रहा।

Scanned with CamScanner

3

दादी का गाँव

रेलगाड़ी	घोंसले	सुथरी	थकान
पाठशाला	हरियाली	किनारे	चहचहाट

दादी का गाँव शहर से बहुत दूर है। पहले वहाँ बस नहीं जाती थी। अब वहाँ बसें जाती हैं। गाँव में बिजली भी आ गई है। गाँव में सड़क बन गई है। वहाँ रेलगाड़ी नहीं जाती। वहाँ घास-फूस के बहुत मकान हैं। वहाँ एक पाठशाला भी है। दिन में लड़के-लड़कियाँ पढ़ते हैं। रात को ऐसे बड़ों को पढ़ाया-लिखाया जाता है, जो पढ़े-लिखे नहीं हैं। गाँव की गलियाँ साफ़-सुथरी हैं। दूर-तक चारों ओर हरियाली ही हरियाली है। गाँव की औरतें और आदमी खेतों में काम करते हैं। ठंडी हवा खेतों में काम करने वालों की सारी थकान दूर कर देती है। खेतों के किनारे-किनारे आम और जामुन के पेड़ हैं। यहाँ पेड़ नहीं काटते। इन पेड़ों पर पंछियों के घोंसले हैं। शाम को पंछियों की चहचहाट मन को मोह लेती है। यहाँ भाग-दौड़ नहीं है, सब मिल-जुलकर रहते हैं।

मुझे बार-बार दादी के गाँव जाना बहुत अच्छा लगता है।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—

क. वहाँ एक..........................भी है। (पाठशाला/दुकान)

ख. औरतें और आदमी..........................में काम करते हैं। (आँगन/खेतों)

ग. पंछियों की..........................मन को मोह लेती है। (चहचहाट/आँखें)

घ. गाँव शहर से बहुत..........................है। (दूर/पास)

ङ. गाँव में चारों ओर..........................है। (सूखा/हरियाली)

2. 'हाँ' या 'नहीं' में उत्तर लिखिए—

क. क्या गाँव में बस जाती है? ....

ख. क्या गाँव की गलियाँ साफ़-सुथरी हैं? ....

ग. क्या गाँव में पेड़ काटते हैं? ....

घ. क्या गाँव में घास-फूस के मकान हैं? ....

ङ. क्या गाँव में सब मिल-जुलकर रहते हैं? ....

3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए—

क. गाँव में क्या आ गई है?

ख. गाँव में क्या नहीं जाती है?

ग. ठंडी हवा क्या दूर कर देती है?

घ. पेड़ों पर पंछियों के क्या हैं?

ङ. लड़के-लड़कियाँ पाठशाला में कब पढ़ते हैं?

4. सही शब्द चुनकर जोड़े बनाइए—

क. घास	....	च. पढ़े	....
ख. पढ़ाया	....	छ. किनारे	....
ग. साफ़	....	ज. दूर	....
घ. भाग	....	झ. बार	....
ङ. मिल	....	ञ. लड़के	....

फूस, बार, लिखाया, दौड़, लिखे, लड़कियाँ, दूर, किनारे, जुल, सुथरी

5. वाक्य बनाइए—

हरियाली, थकान, मोह, भाग-दौड़, शाम

Scanned with CamScanner

4 मेहनत का फल

झाड़ियाँ कंकड़ चुपचाप हैरानी साथियों
पहुँचते तालियाँ मुख्याध्यापक प्रार्थना

आजकल स्कूल बंद है। सुरेश, मोहन, विनोद अपने साथियों के साथ सुबह और शाम को स्कूल के मैदान में खेलने जाते हैं। वहाँ जगह-जगह झाड़ियाँ हैं। कंकड़ भी बहुत हैं। मैदान सड़क के एक किनारे पर है। सुरेश और उसके साथी खेल शुरू करने से पहले मैदान की सफ़ाई करते हैं। सड़क पर आते-जाते लोग हैरानी से उन लड़कों को देखते हैं। वे सब चुपचाप अपने काम में लगे रहते हैं।

झाड़ियाँ काटते-काटते उनके हाथों में काँटे चुभ जाते हैं। उन्होंने झाड़ियाँ काट-काटकर एक कोने में

ढेर लगा दिया है। कंकड़ों का ढेर भी एक कोने में लगा दिया है। विनोद के आग लगाते ही झाड़ियों का ढेर राख हो गया। मैदान में अब झाड़ियों और कंकड़ों का निशान तक नहीं है।

स्कूल खुल गया है। स्कूल आने वाले लड़के हैरान होकर मैदान को देखते हैं। घंटी बजते ही सब लड़के मैदान में पहुँचते हैं। प्रार्थना के बाद एक-एक करके सुरेश और उसके साथियों को मंच पर बुलाया जाता है। मुख्य अध्यापक कहना शुरू करते हैं, 'आप जिस साफ़-सुथरे मैदान में खड़े हैं, वह इन सबकी मेहनत के कारण हैं।' मुख्य अध्यापक के इतना कहने पर तालियाँ बज उठीं। तालियाँ रुकने के बाद सुरेश और उसके साथियों को इनाम दिए गए। अब सब लड़के उनसे बहुत प्यार करते हैं।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—

चुपचाप
मंच
झाड़ियाँ
तालियाँ
कंकड़ों

क. वहाँ जगह-जगह.......................हैं।
ख. ....का ढेर भी एक कोने में लगा दिया है।
ग. इतना कहने पर.......................बज उठीं।
घ. वे सब.......................अपने काम में लगे रहते हैं।
ङ. सुरेश और उसके साथियों को.......................पर बुलाया जाता है।

2. पाठ के आधार पर वाक्य पूरे कीजिए—

आजकल	बहुत प्यार	किनारे पर हैं।
सब लड़के उनसे	स्कूल	कारण है।
मैदान	सड़क के एक	करते हैं।
वह इन सब की	मेहनत के	बंद हैं।
कंकड़	भी बहुत	हैं।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए—

क. सुरेश और उसके साथी छुट्टियों में स्कूल के मैदान में क्यों जाते हैं?
ख. सड़क पर आते-जाते लोग लड़कों को कैसे देखते हैं?
ग. आग लगाते ही झाड़ियों का ढेर कैसा हो गया?
घ. घंटी बजते ही सब लड़के कहाँ पहुँचते हैं?
ङ. तालियाँ रुकने के बाद क्या हुआ?

4. आइए, कुछ कार्य करें—

अपनी कक्षा में पड़े फटे काग़ज़, पैंसिल का कूड़ा इत्यादि उठाकर कूड़ेदान में डालिए।

Scanned with CamScanner

5 जन्मदिन

गुब्बारों डॉक्टर दिल्ली गुलदस्ता मेहमान रसगुल्ले

आज गीता बहुत खुश है। आज उसका छठा जन्म दिवस है। घर में सुबह से ही चहल-पहल है। रंग-बिरंगे गुब्बारों से घर को सजाया गया है।

उसके भाई आनंद ने उसे सुबह ही फूलों का गुलदस्ता दिया है।

डॉक्टर चाचा दिल्ली से आए हैं।

शाम को गीता की सहेलियाँ आती हैं। उन्हें देखकर गीता बहुत खुश है।

Scanned with CamScanner

माँ और दादी अम्मा ने बहुत से पकवान बनाए हैं। →

← मेहमान आने शुरू हो गए हैं। मेहमानों के आने पर गीता केक काटती है।

केक खाने के बाद चम्पा गाना सुनाती है। रत्ना मज़ेदार चुटकुले सुनाती है। →

← माँ गीता को एक डिब्बा देती है।

दादी अम्मा सबको रसगुल्ले खिलाती है। खाना शुरू होने पर सब खाना खाते हैं। →

← गीता के पिताजी सबको धन्यवाद देते हैं।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. **नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए—**

क. गीता ने रंग-बिरंगे गुब्बारों से घर को सजाया। ☐

ख. आनंद ने गीता को फूलों को गुलदस्ता दिया। ☐

ग. गीता की सहेलियाँ सुबह ही आ गईं थीं। ☐

घ. रत्ना बहुत सारे गाने गाती है। ☐

ङ. गीता के पिताजी सबको धन्यवाद देते हैं। ☐

2. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए—**

क. गीता ने अपना कौन-सा जन्म दिवस मनाया?

ख. गीता के भाई का क्या नाम है?

ग. डॉक्टर चाचा कहाँ से आए हैं?

घ. मेहमानों के आने पर गीता ने क्या काटा?

ङ. दादी अम्मा ने सबको क्या खिलाया?

3. **नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए—**

दादी, जन्मदिन, चुटकुले, गुलदस्ता, धन्यवाद

4. **आप अपना जन्मदिन कैसे मनाते हैं, कक्षा में बातचीत कीजिए।**

Scanned with CamScanner

6 दाँत का दर्द

कराह आलस्य लापरवाही कण कुल्ला वायदा नित्य

आनंद बिस्तर पर लेटा हुआ कराह रहा है। तभी वहाँ डॉक्टर आ पहुँचे।

डॉक्टर : (आनंद से पूछते हुए) क्या तुम्हारे दाँत में दर्द है?

आनंद : जी हाँ, बहुत दर्द है!

डॉक्टर : (आनंद का मुँह खोलकर देखते हुए) तुम्हारे दो दाँतों में कीड़ा लग गया है। दोनों दाँत निकालने होंगे।

आनंद : दाँत निकालने पर तो बहुत दर्द होगा! मेरा मुँह भी अजीब-सा लगेगा!

डॉक्टर : यह सब तुम्हारी लापरवाही और आलस्य का नतीजा है।

आनंद : मैं कभी-कभी ब्रुश करता तो हूँ।

डॉक्टर : कभी-कभी नहीं, दिन में दो बार ब्रुश करना चाहिए। कुछ भी खाने के बाद कुल्ला करना भी बहुत ज़रूरी है।

Scanned with CamScanner

आनंद : कुल्ला क्यों ज़रूरी है?

डॉक्टर : बेटा, मेरी बात ध्यान से सुनो। जब हम कोई चीज़ खाते हैं तो खाने के कण दाँतों में फँस जाते हैं। ये कण सड़कर दाँतों को खराब कर देते हैं। कुल्ला करने से ये कण बाहर आ जाते हैं।

आनंद : मेरे दाँतों से कभी-कभी खून भी निकलता है।

डॉक्टर : सफ़ाई के साथ-साथ भोजन पर भी ध्यान देना चाहिए।

आनंद : मुझे दूध अच्छा नहीं लगता!

डॉक्टर : दाँतों को ठीक रखने के लिए दूध पीना भी उतना ही ज़रूरी है जितना ब्रुश करना।

आनंद : मुझे तो यह पता ही नहीं था!

डॉक्टर : बेटा, मुझसे एक वायदा करो।

आनंद : जी क्या?

डॉक्टर : नित्य दो बार ब्रुश करोगे और दूध भी पीओगे।

आनंद : जी, वायदा करता हूँ।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. **सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—**

क. दोनों दाँत.............................होंगे। (निकालने/डालने)

ख. खाने के.............................दाँतों में फँस जाते हैं। (कण/फल)

ग. मुझे दूध.............................नहीं लगता। (ब्रुश/अच्छा)

घ मुझसे एक.............................करो। (फायदा/वायदा)

ङ. आनंद के दाँतों में.............................लग गया। (कीड़ा/चॉकलेट)

2. **दाँतों को साफ़ रखने के लिए नीचे दिए गए वाक्यों में से जो ठीक हैं, उन पर (✓) का निशान लगाइए—**

क. दिन में दो बार ब्रुश करना चाहिए। ☐

ख. बहुत सारा आलस करना चाहिए। ☐

ग. खाना खाने के बाद कुल्ला करना चाहिए। ☐

घ. रोज़ चॉकलेट खानी चाहिए। ☐

ङ भोजन पर ध्यान ज़रूर देना चाहिए। ☐

3. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए—**

क. आनंद बिस्तर पर लेटा हुआ क्या कर रहा है?

ख. आनंद के कितने दाँतों में कीड़ा लग गया था?

ग. दाँतों को ठीक रखने के लिए क्या पीना ज़रूरी है?

घ. खाना खाने के बाद क्या करना चाहिए?

ङ. आनंद के दाँतों से कभी-कभी क्या निकलता था?

च. कुल्ला करने से क्या होता है?

4. **दाँतों को साफ़ करने के लिए बाज़ार में मिलने वाले किन्हीं दो मंजन/टूथपेस्ट के नाम लिखिए—**

क. .... ख. ....

Scanned with CamScanner